अमर · उजाला 18/05/2022

औषधीय पौधों से हो रहा इलाज

औषधीय पौधों के बारे में जानकारी देते स्टाफ सदस्य। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज के वनस्पति और संस्कृत विभाग ने कार्यक्रम आयोजित कर औषधीय पौधों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान बताया कि औषधीय पौधों और वनस्पति विज्ञान का महत्व प्राचीन काल से रहा है।

कालेज के प्राचार्य डॉ. राजपाल सिंह ने बताया कि कॉलेज का वनस्पति और हर्बल उद्यान शिक्षा व शोध के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने बताया कि प्राचीन काल से जड़ी बूटी द्वारा इलाज किया जाता है। डॉ. कुलदीप यादव, इंचार्ज, वनस्पति और हर्बल उद्यान ने बताया कि कॉलेज में लगभग 50 से अधिक औषधीय पौधों की किस्में मौजूद हैं। कॉलेज में इससे संबंधित फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री बेस्ड ऑन आयुर्वेदा के विभिन्न सॉर्ट टर्म कोर्स भी चल रहे हैं।

केंद्र की इंचार्ज डॉ. राजेंद्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग हैं। उन्होंने बताया कि हर्बल उद्यान में रुद्राक्ष, चंदन, हरड़, बहेड़ा, आंवला, अमलतास, अर्जुन, काली मिर्च, बड़ी इलायची, कनेर और बद्री तुलसी जैसे औषधीय पौधे हैं। उन्होंने बताया कि समय-समय पर विद्यार्थियों और शिक्षकों को औषधीय पौधे तैयार करके निशुल्क प्रदान किए जाते हैं।